जीवन संघर्षमय है।

जीवन एक यात्रा है, जिसमें संघर्ष अनिवार्य अंग है। कोई भी व्यक्ति बिना कठिनाइयों और चुनौतियों के सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। जैसे सोना आग में तपकर कुंदन बनता है, वैसे ही मनुष्य भी संघर्षों से निखरता है। जीवन में आने वाली समस्याएँ हमें मजबूत बनाती हैं, आत्मनिर्भर बनाती हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। महापुरुषों का जीवन इसका स्पष्ट प्रमाण है—चाहे वह महात्मा गांधी हों या डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, उन्होंने अपने जीवन में अनेक संघर्षों का सामना किया, तभी वे महान बने। संघर्ष ही वह शक्ति है जो मनुष्य को आत्मविश्वास, धैर्य और संयम का पाठ पढ़ाता है। अतः यह कहा जा सकता है कि संघर्ष के बिना जीवन अधूरा है। वास्तव में, 'जीवन संघर्ष का ही नाम है।'